# मेट्रो-3 का आरडीएसओ ट्रायल पूरा, जल्द दौड़ाने की है तैयारी

## ▪ अब सुरक्षा आयुक्त से हरी झंडी मिलने का इंतजार, भेजा जाएगा निवेदन

वरिष्ठ संवाददाता | मुंबई

राज्य संरकार की योजना विधानसभा चुनाव से पहले भूमिगत (अंडरग्राउंड) मेट्रो-3 सेवा शुरू करने की है। इसके तहत पहले चरण में आरे से बीकेसी मार्ग पर मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। मेट्रो सेवा को शुरू करने से पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) ट्रायल सहित अन्य जरूरी औपचारिक परीक्षण पूरे किए जा रहे हैं। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने मेट्रो के इंटीग्रेटेड ट्रायल के बाद मेट्रो रॉलिंग स्टॉक का आरडीएसओ परीक्षण पूरा कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरडीएसओ ट्रायल के बाद अब अन्य इलेक्ट्रिक सिस्टम और सिग्नलिंग सिस्टम के साथ रॉलिंग स्टॉक का इंटीग्रेटेड परीक्षण किया जा रहा है। यह परीक्षण पूरा हो जाने के बाद अगले सप्ताह अन्य सिस्टम की जांच के लिए एमएमआरसीएल कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) को निवेदन भेजेगी।

**स्टेशनों के फायर सेफ्टी उपकरणों की हो चुकी है जांचः** मेट्रो-3 का पहले चरण का 97 फीसदी काम पूरा हो चुका है। पहले चरण के अंतर्गत आने वाले सभी मेट्रो स्टेशनों के फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अग्निशमन विभाग द्वारा पूरी की जा चुकी है। इलेक्ट्रिकल सिस्टम और अन्य उपकरणों की जांच अपने अंतिम चरण में है।

### 12 किमी का है पहला चरण

देश की सबसे लंबी अंडरग्राउंड मेट्रो-3 (कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज) का पहला चरण आरे से बोकेसी के बीच 12.5 किमी का है। पहले चरण को विधानसभा चुनाव से पहले शुरू करने की तैयारी की जा रही हैं। जबकि दूसरे चरण (बीकेसी से कफ परेड) को सितंबर-अक्टूबर में शुरू करने की योजना है। इसकी पुष्टि हाल ही में मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसीएल) की सीईओ अश्विनी भिडे ने की थी। इस कॉरिडोर के शुरू होने से आरे से बीकेसी सड़क मार्ग से सफर करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। मेट्रो सेवा से से उनका कीमती समय बचेगा।

### रोजाना 260 सेवाएं संचालित होंगी

मेट्रो-3 के पहले चरण को दिसंबर 2023 तक शुरू करने की योजना थी, लेकिन समय पर कार्य पूरा नहीं होने के कारण इसमें देरी हुई। आरे से बीकेसी के बीच में कुल 10 स्टेशन हैं। बीकेसी मुंबई के बिजनेस हब होने के कारण मेट्रो-3 के पहले चरण को यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। एमआरवीसी की योजना आरे से बोकेसी के बीच 9 रैक की मदद से रोजाना 260 सेवाएं संचालित करने की है। इस रूट पर यात्रियों को 6.5 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।